पर्यावरण संरक्षण की महत्ता एवं ग्लोबल वार्मिंग

भोला कुमार यादव

पर्यावरण संरक्षण किसी एक व्यक्ति का लाभ न होकर पूरी दुनिया के हर एक व्यक्ति की साझेदारी से ही संभव है। यह पर्यावरण समूची मानव जाति का साझा संसाधन है और दुनिया के हर व्यक्ति को इस पर बराबरी का हक हासिल है। बराबरी के सिद्धांत का यह आशय है कि आने वाले समय में प्रतिव्यक्ति उत्सर्जनों के संबंध में एक सहमति होनी चाहिए। बराबरी के आधार पर ऐसी कोई भी व्यवस्था स्वीकार्य नहीं होगी जो प्रतिव्यक्ति उत्सर्जनों में व्यापक अंतर को स्वीकृति दे। इसके अतिरिक्त पर्यावरणीय संकट की चुनौतियों का सामना करने में उत्पादन और खपत के तरीकों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके साथ ही जीवन–शैली से जुड़े मसलों पर भी ध्यान देने की इच्छा–शक्ति पैदा करनी होगी। विश्व के सभी देशों को समेकित रूप से कार्बन आधारित तथा जैव–ईंधनों पर आधारित उत्पादन तथा खपत के तरीकों को बदलकर नवीकरणीय ऊर्जा पर आधारित व्यवस्था को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।